



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 66]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 9, 1983/माघ 20, 1904

No 66]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 9, 1983/MAGHA 20, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)
आदेश

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1983

का. आ. 103 (अ)/18-कक/आई. डी. आर. ए./83 :—
भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)
के आदेश में का. आ. 617(अ)/18-कक आई. डी. आर.
ए./77, तारीख 12 अगस्त, 1977 (जिस इसमें इसका पश्चात्त
उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा मिसर्स इन्दोर टेक्सटाइल्स लिमिटेड,
उज्जैन नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उद्योग
(विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65)
की धारा 18-कक के अधीन, उसके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और मध्य
प्रदेश स्टेट टेक्सटाइल कारपोरेशन लिमिटेड को उक्त औद्योगिक
उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकार किया
गया था,

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास
विभाग) के आदेश में का. आ. 566(अ)/18-कक/82 तारीख
11 अगस्त, 1982 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 11 फरवरी,
1983 तक, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है छ मास की
और अवधि के लिए बढ़ा दी गई थी ;

1309 GI/82

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समी
चीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम 11 अगस्त 1983 तक,
जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है छ मास की और अवधि
के लिए मध्य प्रदेश स्टेट टेक्सटाइल कारपोरेशन के अधीन बना
रहता चाहिए

अतः केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन)
अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-कक की उप-
धारा (2) द्वारा उक्त व्यक्तियों का प्रयोग करता है, यह निदेश
देती है कि उक्त आदेश 11 अगस्त, 1983 तक जिसमें वह
तारीख भी सम्मिलित है छ मास की और अवधि के लिए
प्रभावी बना रहेगा ।

[फाइल में 3(1)/81-सी. ए. एन.]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 9th February, 1983

S.O. 103(E)/18AA/IDRA/83.—Whereas by the
Order of the Government of India in the Ministry

(1)

of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 617(E) 18AA IDRA 77, dated the 12th August, 1977 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Indore Textiles Limited, Ujjain, Madhya Pradesh, was taken over under section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years commencing from the date of its publication in the Official Gazette, and the Madhya Pradesh State Textile Corporation Limited was authorised to take over the management of the said industrial undertaking :

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 566(E) 18AA IDRA 82, dated the 11th August, 1982, the period of the said Order was extended for a further period of six months upto the 11th February, 1983 ;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Madhya Pradesh State Textile Corporation for a further period of six months upto the 11th August, 1983 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 11th August, 1983.

[File No. 3(1) 81-CUS].

आदेश

सं. अ. 144(अ) 18-चर/आई. डी. आर. ए. 78. — केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-चर की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करत हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं 105 (अ)/18-चर/आई डी आर ए 78 तारीख 17 फरवरी 1976 (जिस इस्म इमरद पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा घोषित किया था कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रदत्त सभी सविदाओं, सम्पत्ति हस्तांतरण-पत्रों, वारंटों, व्यवस्थापनों, एकादों, स्थायी आदेशों या अन्य प्रत्यक्षों (सिवाय उनके जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रायः प्रत्याभूत दायित्वों से सम्बन्धित हैं) का प्रवर्तन जिसका समस्त उद्देश्य टैकस्टाइल्स लिमिटेड, उज्जैन, मध्य प्रदेश नामक अन्तर्देशीय एकल पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम का समझौता करत है, वेसी तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए निरस्त रहेंगे और उक्त तारीख से एक वर्ष की अवधि में प्रदत्त सभी अधिकार, विनियमन, माध्याम और दायित्व उक्त अवधि के लिए निरस्त रहेंगे।

और उक्त आदेश की अवधि समस्त समय पर 11 फरवरी 1983 तक के लिए जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी,

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 11 अगस्त, 1983 तक की और अवधि के लिए बढ़ा दी जाती चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-चर की उप-धारा (2) के साथ पठित उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करत हुए, उक्त आदेश की अवधि 11 अगस्त, 1983 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[फाइल नं. 3(1)/81-सी. यू. एस.]

ए. पी. सरदान, सचिव, मंत्रालय

ORDER

S.O. 104(E) 18FB IDRA 83.—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 105(E) 18FB IDRA 78, dated the 17th February, 1978 (hereinafter referred to as the said order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18B of the Industries (Development and Regulation) Act 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Indore Textiles Limited Ujjain Madhya Pradesh is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year from such date and that all the rights, privileges, obligations, and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period ;

And whereas the duration of the said order was extended from time to time upto and inclusive of the 11th February, 1983 ;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said order should be extended for a further period upto the 11th August, 1983 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 11th August, 1983.

[File No. 3(1) 81-CUS]

A. P. SARWAN Jt. Secy.